शहीद बेलमती चौहान राजकीय महाविद्यालय, पोखरी क्वीली

टिहरी गढ़वाल-249146, उत्तराखण्ड

महाविद्यालय वेबसाइट : www.gdcpokharitehri.in

वार्षिक प्रगति आख्या
सत्र 2019-2020

प्रस्तुतकर्ता

प्रोफेसर (डॉ0 अरूण कुमार सिंह)
आई0क्यू0ए0सी0 समन्वयक
राजकीय महाविद्यालय, पोखरी (क्वीली
टिहरी गढ़वाल

प्रोफेसर (डॉ0 सुमिता श्रीवास्तव)
प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय, पोखरी (क्वीली
टिहरी गढ़वाल

विज़न

वैश्विक दक्षता और स्थानीय आवश्यकताओं हेतु समानता और समावेशीकरण युक्त समग्र और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना।

मिशन

- न्याय संगत समानता के आधार पर सभी योग्य विद्यार्थियों विशेषत: वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को समग्रता पूर्ण एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना।
- उपलब्ध स्रोतों के सर्वोत्तम उपयोग द्वारा अनुकूलतम शिक्षण वातावरण का निर्माण करना व विद्यार्थियों को सहयोग प्रदान करना।
- नवीनतम शिक्षा सिद्धांतों एवं तकनीकी जैसे आईसीटी और अन्य डिजिटल माध्यमों के उपयोग से महाविद्यालय के भौतिक व अकादमिक आधारभूत संरचना एवं मानव संसाधन का सुदृढ़ीकरण।
- शोध परक एवं नवाचारी कार्यक्रमों को बढ़ावा देते हुए फैकल्टी तथा विद्यार्थियों को ज्ञान क्षितिज के विस्तार हेतु प्रोत्साहित करना।
- विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण जीवन एवं कार्य के प्रति दृढ़ योग्यता के लिए तैयार करना ताकि वह नजदीकी समुदाय के सतत विकास में अपना योगदान दे सकें।
- विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, मौलिक रचनात्मकता, बौद्धिक जिज्ञासा, सेवा भाव और सतत अधिगम के कौशल का विकास करना जिससे वह अपने भीतर अंतर्निहित निधियों को समझ सकें।

Part A: College Profile and Infrastructure

Name of the Institution:	**Saheed Belmati Chauhan Government Degree College, Pokhri Quili, Tehri Garhwal-249146, Uttarakhand**
Institutional Email:	**gdcpokhritehri@yahoo.com**
Website:	**www.gdcpokharitehri.in**
Name of the Head of Institution:	**Prof. Sumita Srivastava (Principal)**
Contact No. :	**8077919619**
Name of IQAC Coordinator:	**Prof. Arun Kumar Singh**
Contact No. :	**9412138159**
Affiliation Status:	**Affiliated to Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahithaul, New Tehri, Uttarakhand**
Type of Institution:	**Co-education and Rural**
Type of Programs:	**Under graduate program in Arts with 6 subjects; Hindi, English, Sanskrit, Economics, Geography and Political Science. 120 seats in each subject with 40 seats in Geography.**
Teaching Staff:	**Sanctioned post-06, Filled-06, (02 Permanent; 01 Contract; 03 Guest)**
Non-teaching Staff:	**Sanctioned post-12, Filled-09**
Physical Infrastructure:	**3-Classroom including Lab, Principal office, Staff office, Teaching staff room, Exam room and Library.**
ICT Equipments:	**06 Computer, 01 Lap top, 04 Printer, 01 Photo copier, 01 LCD projector**

Student Strength:

Class	Total	Girls	SC	ST	OBC
B.A. I	34	29	8	-	1
B.A. II	57	54	10	-	1
B.A. III	49	46	03	-	1
Total	140	129	21	-	3

No. of Books in Library: 1287

College Website

College Facebook Page

Part B: College Activities and Achievements (2019-2020)

1. महाविद्यालय भवन हेतु भूमि के लिए सार्थक प्रयास किये गये हैं। कई वर्षों से वन पंचायत स्तर पर लंबित 2.49 हेक्टेयर भूमि प्रकरण में वन पंचायत का नवीनीकरण करवा कर व वन पंचायत सदस्यों के साथ बैठक कर उनसे भूमि हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया गया है। भूमि प्रकरण से संबंधित पत्रावली तैयार करने हेतु वन विभाग, उपजिलाधिकारी नरेन्द्रनगर व जिलाधिकारी नयी टिहरी से संपर्क कर पत्रावली तैयार की जा रही है।
2. यह महाविद्यालय एक कि0मी0 के पैदल कच्चे पर्वतीय मार्ग पर स्थित है। सत्र 2018–19 में महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव में मा0 विधायक श्री सुबोध उनियाल जी द्वारा पैदल मार्ग के पक्के निर्माण हेतु विधायक निधि से पाँच लाख रूपये दिये गये थे। निर्माणकर्ता से संपर्क कर बीच में कुछ दूरी तक मार्ग बनवाया गया है। महाविद्यालय से सटे हुए 200 मी0 पैदल मार्ग के मरम्मत हेतु प्रयास जारी है।
3. महाविद्यालय वेबसाइट का निर्माण कर उसमें संबंधित सूचनाएँ अपलोड करायी गयी हैं। साथ ही वेबसाइट को निरंतर अपडेट किया जाता है।

   website: www.gdcpokharitehri.in
4. कोविड महामारी की वजह से अप्रैल 2020 से ऑनलाइन कक्षाएँ चल रही हैं। सत्र 2019–20 में 93 प्रतिशत छात्र–छात्राओं ने ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण की। जिस हेतु महाविद्यालय द्वारा छात्र–छात्राओं से फीडबैक भी लिया गया। ऑनलाइन संवाद हेतु वाट्स– एप ग्रुप, ऑनलाइन कक्षाओं हेतु महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा गूगल क्लास व टी0सी0एस0 प्लेटफार्म तथा ऑनलाइन लाइव कक्षाओं हेतु गूगल मीट व जूम एप का प्रयोग किया जा रहा है।
5. महाविद्यालय के पुस्तकालय को ई–ग्रन्थालय से जोड़ा जा रहा है। वर्तमान में महाविद्यालय में उपलब्ध कुल 1287 पुस्तकों को ई–ग्रन्थालय के प्रपत्र पर भरकर एन0आई0सी0 को प्रेषित कर दिया गया है। जिसे ई–ग्रन्थालय में अपलोड कर दिया गया है।
6. महाविद्यालय के लोगो का निर्माण।
7. नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में उसे समाहित करते हुए, हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में महाविद्यालय के विजन व मिशन का निर्माण।
8. महाविद्यालय फेसबुक पेज का निर्माण व संबंधित सूचनाओं का निरंतर प्रकाशन।
9. छात्र–छात्राओं के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास व उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में महाविद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र–छात्राओं के कैरियर, सामाजिक व सामुदायिक जिम्मेदारी, व्यक्तिगत व नैतिक विकास हेतु मेंटरशिप की व्यवस्था की गयी है।

10. दिनांक 22.10.2019 को महाविद्यालय के शिक्षकों, गैर शिक्षण कर्मचारियों व छात्र–छात्राओं द्वारा पोखरी बाजार में स्वच्छता जागरूकता रैली एवं स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही पोखरी बाजार से महाविद्यालय परिसर तक के एक किमी के पैदल रास्ते पर स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया।

11. महाविद्यालय में दिनांक 23.11.2019 को 'उच्च शिक्षा में उन्नयन व नवाचर' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें उच्च शिक्षा निदेशालय व महाविद्यालय क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों एवं छात्र–छात्राओं नें प्रतिभाग किया।

12. दिनांक 04.12.2019 को महाविद्यालय के प्रथम छात्रसंघ समारोह का आयोजन हुआ।

13. दिनांक 27.12.2019 को नेहरू युवा केन्द्र टिहरी गढ़वाल के तत्वाधान में 'शिक्षा पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। आमंत्रित वक्ताओं व छात्र–छात्राओं ने महिला हिंसा, महिलाओं के स्वास्थ्य व स्वच्छता आदि विषयों पर अपने विचार व्यक्त किये। समाज के उत्थान में युवाओं की भूमिका पर भी चर्चा की गयी।

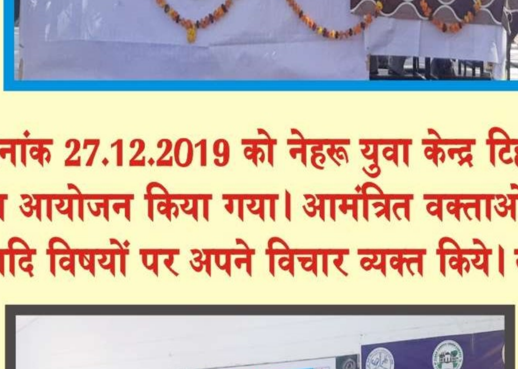

दिनांक 23.11.2019 को 'उच्च शिक्षा में उन्नयन व नवाचर'

दिनांक 27.12.2019 को 'शिक्षा पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम'

हिन्दी विभाग
श.बे.चौ. राजकीय महाविद्यालय
पोखरी (क्वीली) टि०ग० उत्तराखण्ड
(श्री देव सुमन उत्तराखण्ड वि०वि० उत्तराखण्ड से सम्बद्ध)

"कोविड-19 के दौर में पत्रकारिता"
एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय ऑनलाइन संगोष्ठी
बुधवार, 27 मई 2020

मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष	डॉ० जयपक्राश कर्दम	राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त वरिष्ठ साहित्यकार, पूर्व निदेशक, केंद्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान, नयी दिल्ली
संगोष्ठी संरक्षक	डॉ० अशोक कुमार	निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तराखंड शासन
संगोष्ठी संयोजक	प्रो० (डॉ०) सुमिता श्रीवास्तव	प्राचार्य, श.बे.चौ. राजकीय महाविद्यालय पोखरी (क्वीली) टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड
संगोष्ठी आयोजक	डॉ० राम भरोसे	असिस्टेंट प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग श.बे.चौ. राजकीय महाविद्यालय पोखरी (क्वीली) टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड

कार्यक्रम विवरण

समय	आमंत्रित आदरणीय अतिथि एवं वक्तागण			ऑनलाइन प्लेटफार्म
3:00-3:15	उद्घाटन सत्र-स्वागत उद्बोधन	प्रो० (डॉ०) सुमिता श्रीवास्तव	संगोष्ठी संयोजक	Zoom App
3:15-4:30	संगोष्ठी परिचय	डॉ० राम भरोसे	संगोष्ठी आयोजक	
4:30-5:00	मुख्य वक्ता	डॉ० पुनीत बिसारिया	अध्यक्ष-हिन्दी विभाग एवं अध्यक्ष तथा निदेशक, शिक्षा संस्थान, बुंदेलखंड विवि, झांसी उ.प्र.	
5:00-5:30	विशिष्ट वक्ता	श्री अशोक दास जी	पत्रकार, मुख्य संपादक (दलित दस्तक) एवं दलित चिन्तक, नयी दिल्ली	
5:30-6:00	विशिष्ट वक्ता	डॉ० सुरीति रघुनंदन	युवा साहित्यकार, मारीशस	
6:00-6:30	विशिष्ट वक्ता	डॉ० सुमा एस०	एसो. प्रोफेसर (हिन्दी) राजकीय महिला महाविद्यालय, त्रिवेंद्रम, केरल	
6:30-7:00	अध्यक्षीय उद्बोधन			
	धन्यवाद ज्ञापन (डॉ० राम भरोसे)			

तकनीकी सहयोग हेतु विशेष धन्यवाद- तेजस पुनिया (पूर्व छात्र)

14. दिनांक 27.05.2020 को महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के असिस्टैंट प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष डा0 राम भरोसे जी द्वारा ' कोविड–19 के दौर में पत्रकारिता' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 500 लोगों ने प्रतिभाग किया।

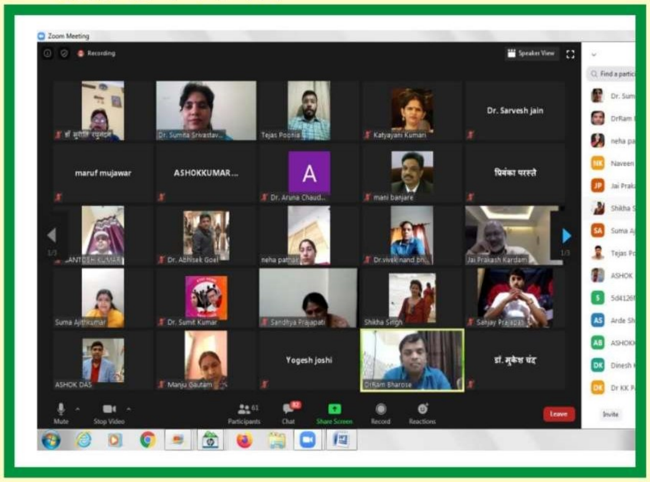

15. दिनांक 30.05.2020 को महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के असिस्टैंट प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष डा0 राम भरोसे जी द्वारा ' ऑनलाइन शिक्षण पद्धति: उपलब्धियां, समस्याएं और सम्भावनाएं' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 500 लोगों ने प्रतिभाग किया।

अतिथि एवं आयोजक मंडल

मुख्य अतिथि	डॉ० एन.पी. माहेश्वरी	पूर्व निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तराखंड शासन, उत्तराखंड
संगोष्ठी अध्यक्ष	डॉ० विनय गुदारी	एसोसिएट प्रोफेसर एव अध्यक्ष हिन्दी, महात्मा गाँधी संस्थान मॉरीशस
संगोष्ठी संरक्षक	डॉ० अशोक कुमार	निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तराखंड शासन
संगोष्ठी संयोजक	प्रो० सुमिता श्रीवास्तव	प्राचार्य, श.बे.चौ. राजकीय महाविद्यालय पोखरी (क्वीली) टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड
संगोष्ठी आयोजक	डॉ० राम भरोसे	असिस्टेंट प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग श.बे.चौ. राजकीय महाविद्यालय पोखरी (क्वीली) टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड

कार्यक्रम विवरण

समय	आमंत्रित आदरणीय अतिथि एवं वक्तागण			माध्यम
3:00-3:15	स्वागत	प्रो० सुमिता श्रीवास्तव	संगोष्ठी संयोजक	Zoom App
3:15-3:30	संगोष्ठी परिचय	डॉ० राम भरोसे	संगोष्ठी आयोजक	
3:30-4:00	उद्घाटन व मुख्य अतिथि संबोधन	डॉ० एन.पी. माहेश्वरी	पूर्व निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तराखंड शासन, उत्तराखंड	
4:30-5:00	मुख्य वक्ता	प्रो० सुशील उपाध्याय	प्राचार्य, एस.एल.एम. महाविद्यालय लंढौरा, रुड़की	
5:30-6:00	विशिष्ट वक्ता	डॉ० नीलम राठी	एसो.प्रो. अदिति महाविद्यालय, दिल्ली वि०वि०	
6:00-6:30	विशिष्ट वक्ता	श्री प्रवीण बौद्ध	मोटिवेशनल स्पीकर व उप-अभियंता, भेल रानीपुर हरिद्वार	
6:30-7:00	अध्यक्षीय उद्बोधन			

धन्यवाद ज्ञापन (प्रो. अरुण कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, राजकीय महाविद्यालय पोखरी टि०ग०)

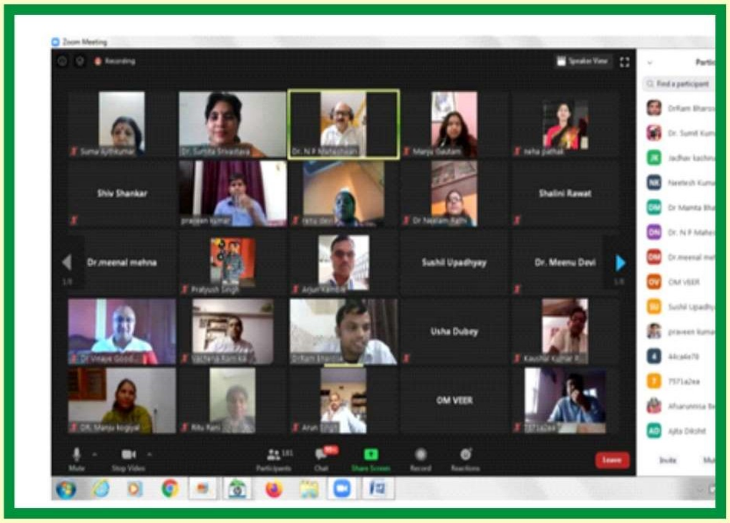

16. दिनांक 11.06.2020 को महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के असिस्टैंट प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष डा0 राम भरोसे जी द्वारा 'साहित्य अनुवादः अवसर और चुनौतियाँ' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 500 लोगों ने प्रतिभाग किया।

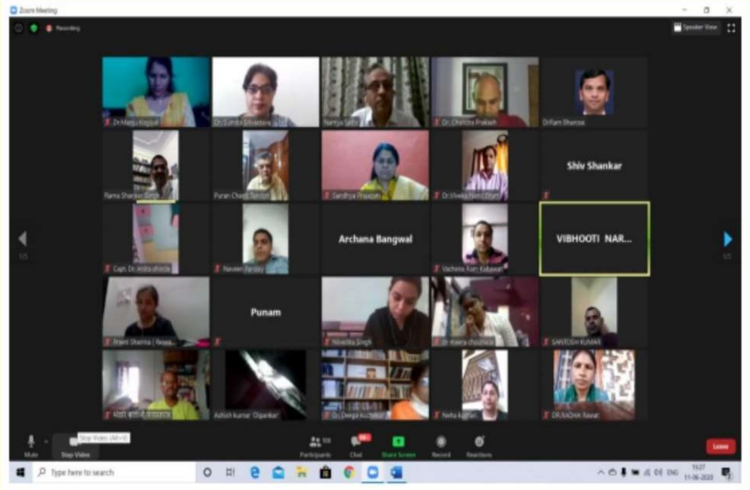

17. दिनांक 20.06.2020 को महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के असिस्टैंट प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष डा0 राम भरोसे जी द्वारा 'लोक साहित्यः महत्व और प्रासंगिकता' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 500 लोगों ने प्रतिभाग किया।

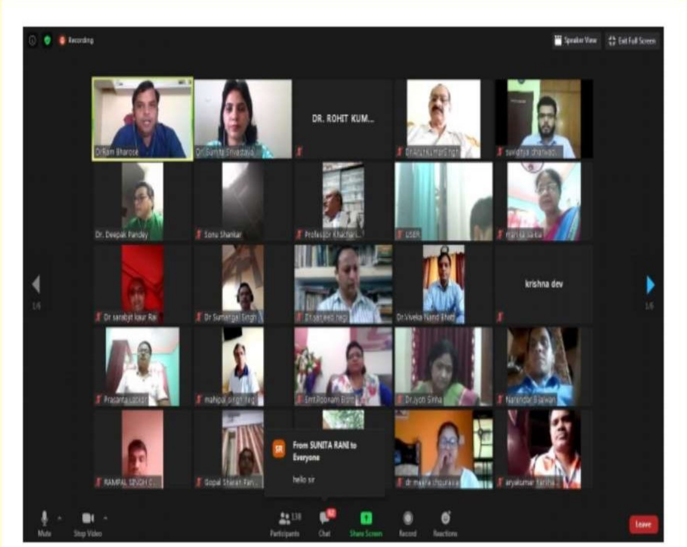

18. इसके साथ ही साथ महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के असिस्टैंट प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष डा0 राम भरोसे जी द्वारा मई 2020 में दो चरणों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 800 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

19. मई 2020 में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं हेतु भूगोल विभाग द्वारा 'कोरोना जागरूकता' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता (05.05.2020) एवं अंग्रेजी विभाग द्वारा इसी विषय पर निबंध प्रतियोगिता (27.05.2020) आयोजित की गयी। प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान पाये विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

20. महाविद्यालय के प्राचार्य व प्राध्यापकों द्वारा सत्र 2019–2020 में विभिन्न राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय जर्नल व पुस्तकों में शोध प्रकाशन तथा राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सेमीनार व वेबीनार में सहभागिता निम्नवत रही।

Name	Research Publications		Seminars		Webinars	
	Journals	Books/ Proceedings	International	National	International	National
Dr. Sumita Srivastava Principal and Professor of Physics	6	5	-	6	-	1
	● Edited one book, ● Completed 3 month online MOOC course, ● Organized One national conference, 2 International webinars and 2 national webinars ● Reviewed 7 research papers in International Journals ● 1 Ph.D. Student					
Dr. Arun K. Singh Professor and Head of Geography	1	1	1 (Resourse Person)	2	-	4
	● Editor of National Journal ● 2 Ph.D. Student					
Dr. Ram Bharose Assistant Professor and Head of Hindi	-	3	-	3	2 (Resourse person in 1)	8 (Resourse person in 1)
	● Organized 2 International webinars and 2 national webinars ● Organized Online International Quiz on General Hindi ● Completed 2 online FDP ● Associate ship of Advance Centre of Study, Shimla					
Dr. Vivekanand Bhatt Assistant Professor and Head of Sanskrit	-	-	-	-	2	-
Dr. Bandana Semwal Assistant Professor and Head of English	-	-	1	-	-	-
Dr. Mukesh Semwal Assistant Professor and Head of Political Science	-	-	1	-	-	-

College in Media

डा. सुमिता श्रीवास्तव ने संभाला प्राचार्य का पदभार

ऋषिकेश | हमारे संवाददाता

राजकीय महाविद्यालय ऋषिकेश में भौतिक विज्ञान की विभागाध्यक्ष डा. सुमिता श्रीवास्तव प्राचार्य पद पर पदोन्नति हुई है। बुधवार को उन्होंने राजकीय महाविद्यालय पोखरी क्वीली टिहरी में प्राचार्य का पदभार संभाला।

बुधवार को राजकीय महाविद्यालय ऋषिकेश में भौतिक विज्ञान की विभागाध्यक्ष डा. सुमिता श्रीवास्तव ने राजकीय महाविद्यालय पोखरी क्वीली टिहरी में प्राचार्य का पदभार संभाला। उन्होंने बताया कि वे बीएचयू की गोल्ड मेडलिस्ट और लोक सेवा आयोग की ओर से भौतिक विज्ञान विषय में चयनित होकर प्रथम स्थान पर रहीं। 1998 में अपनी सेवा प्रारंभ किया। वह हाइड्रोजन एनर्जी विषय की विशेषज्ञ हैं एवं शोध परियोजनाओं पर कार्य कर चुकी हैं। उनके पदभार संभालने पर डा. अरुण कुमार सिंह, डा. रामभरोसे, डा. वंदना सेमवाल, डा. मुकेश सेमवाल, डा. विवेकाननद भट्ट, रेखा नेगी, अंकित, नरेंद्र, नरेश, सुनीता आदि ने हर्ष जताया।

लॉकडाउन का उल्लंघन करने वाले

पोखरी क्वीली कॉलेज में ई-क्लास शुरू

ऋषिकेश। राजकीय महाविद्यालय पोखरी क्वीली में ऑनलाइन पढ़ाई शुरू की गई है। लॉकडाउन के चलते यहां बच्चों के कोर्स को पूरा कराने के लिए महाविद्यालय प्रशासन ने ई-क्लास शुरू की है।

शहीद बेलमती चौहान राजकीय महाविद्यालय पोखरी क्वीली की प्राचार्य डॉ. सुमिता श्रीवास्तव ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान छात्र-छात्राओं की शिक्षा में व्यवधान पैदा हो रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों के कोर्स पूरे नहीं हो पाएंगे। इसी को देखते हुए महाविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों की सुविधा के लिए ई-क्लास शुरू कर दी है। छात्र-छात्राएं व्हट्सएप, वीडियो कॉलिंग और अन्य माध्यमों से प्रोफेसरों से संपर्क कर सकते हैं और अपने पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी समस्या पर वार्ता कर सकते हैं।

ऑनलाइन कक्षाओं का लिया फीडबैक

नई टिहरी। शहीद बेलमती चौहान राजकीय महाविद्यालय पोखरी (क्वीली) में लॉकडाउन में ऑनलाइन शिक्षा दिए जाने के दौरान छात्र-छात्राओं से 12 बिंदुओं पर फीडबैक लिया गया। ऑनलाइन कक्षाओं से छात्रों ने 80 प्रतिशत तक लाभ होने की बात स्वीकारी है। लॉकडाउन में महाविद्यालय पोखरी ऑनलाइन कक्षाओं के संयोजक डा. एके सिंह ने बताया कि छात्रों को विभिन्न माध्यमों से पाठ्य सामग्री जिनमें नोट्स, बुक पीडीएफ, ऑडियो, वीडियो, ब्लाग लिंक, यू-ट्यूब लिंक आदि को साझा कर ऑनलाइन कक्षाओं से जोड़ा गया। सभी विषयों के प्राध्यापकों ने कक्षाएं संचालित होने के बाद फीडबैक एकत्र किया है। कुल 129 छात्रों ने फीडबैक जमा किया। प्राचार्या प्रो. सुमिता श्रीवास्तव ने बताया कि फीडबैक के विश्लेषण से पता चला कि 129 विद्यार्थियों में से 107 के पास स्वयं का स्मार्ट फोन है। अन्य छात्र दूसरे के फोन से ऑनलाइन कक्षाओं में शामिल हो रहे हैं। संवाद

वेबीनार कठिन दौर में भी पथ प्रदर्शक की भूमिका निभाती है पत्रकारिता

कोविड-19 पर अंतरराष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

आयोजन

- **वेबीनार का उद्घाटन राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित व हिंदी भाषा प्रशिक्षण संस्थान नई दिल्ली के पूर्व निदेशक व शिक्षाविद डॉ० जयप्रकाश कर्दम ने किया**

नरेंद्र नगर,लोकसत्य।

शहीद बेलमती चौहान राजकीय महाविद्यालय पोखरी(क्वीली) के हिंदी विभाग द्वारा कोविड-19 जैसी महामारी में मीडिया की भूमिका विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन वेबीनार का आयोजन किया गया।

शहीद बेलमती चौहान महाविद्यालय पोखरी की पहल पर आयोजित इस एक दिवसीय ऑनलाइन वेबीनार का उद्घाटन राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित व हिंदी भाषा प्रशिक्षण संस्थान नई दिल्ली के पूर्व निदेशक व शिक्षाविद डॉ० जयप्रकाश कर्दम ने किया।

बतौर मुख्य अतिथि डॉ० कर्दम ने कहा कि अव्यवस्थाओं को उजागर कर , जन समस्याओं को सरकार तक पहुंचाना, आपदा के वक्त सकारात्मक प्रदर्शन तथा युद्ध और महामारियों के वक़्त फौलादी जिगर लेकर जान की परवाह किए बिना वस्तुस्थिति की विशुद्ध जानकारी का पता लगाने का काम पत्रकार पूरी शिद्दत के साथ करता रहा है। कहा कोविड-19 काल में पत्रकारों की भूमिका चिर स्मरणीय हो गयी है।

वेबीनार के आयोजक तथा हिंदी विभाग के अध्यक्ष असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर राम भरोसे ने कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों का परिचय कराया और बताया कि इस कार्यक्रम में देश-विदेश से 444 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

ऑनलाइन परिचर्चा में भाग लेते हुए मारीशस की डॉक्टर सुरती रघुनंदन ने मारीशस में पत्रकारिता के स्वरूप पर बोलते हुए कहा कि वहां धार्मिक वैमनस्य से परे सभी चैनल सरकार के अधीन हैं, और अफवाह फैलाने पर कड़ी से कड़ी सजा का प्रावधान है।

राजकीय महाविद्यालय तिरुवंतपुरम केरल की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ०सुभा एस ने कोविड-19 के दौरान केरल सरकार द्वारा इस महामारी से बचने के शुरुआती उपायों को बेहद कारगर बताते हुए कहा कि अन्य राज्यों को भी इस तरह का मॉडल अपना लेना चाहिए।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी की निदेशक डॉक्टर पुनीत विसरिया और दलित चिंतक अशोक दास ने इस बात पर चिंता प्रकट की आज बदलते मीडिया के स्वरूप स्वयं को ही नुकसान पहुंचा रहा है। कहा यदि पत्रकारिता जगत से लोगों का विश्वास उठ गया तो पत्रकारिता दफन होती चली जाएगी, लिहाजा अपनी जान जोखिम में डालकर आग से खेलने का कर्तव्य निभाना ही पत्रकारिता का असली स्वरूप है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में इसके संयोजक एवं महाविद्यालय पोखरी की प्राचार्य प्रोफेसर डॉक्टर सुमिता श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि सहित सभी राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए वैश्विक महामारी कोरोना से जंग जीतने व कार्यक्रम की सफलता की उम्मीद जताई।

कार्यक्रम में प्रोफेसर डॉ अरुण कुमार सिंह, डॉक्टर विवेकानंद भट्ट,डॉ मुकेश सेमवाल,डॉ वंदना सेमवाल, सुरेंद्र बिजलवान व नरेश बिजल्वाण ने हिस्सा लिया संचालन डॉ राम भरोसे ने किया।

कठिन दौर में भी पथ प्रदर्शक की भूमिका निभाती है पत्रकारिता

■ नरेन्द्रनगर/एसएनबी।

शहीद बेलमती चौहान राजकीय महाविद्यालय पोखरी(क्वीली)के हिंदी विभाग द्वारा (कोविड-19)जैसी महामारी में मीडिया की भूमिका विषय पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन वेबीनार का आयोजन किया गया।

शहीद बेलमती चौहान महाविद्यालय पोखरी की पहल पर आयोजित इस एक दिवसीय ऑनलाइन वेबीनार का उद्घाटन राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित व हिंदी भाषा प्रशिक्षण संस्थान नई दिल्ली के निदेशक रह चुके शिक्षाविद डा. जयप्रकाश कर्दम ने किया।

बतौर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्दम ने कहा कि अव्यवस्थाओं को पटरी पर लाना, जन समस्याओं को सरकार तक पहुंचाना, आपदा के वक्त सकारात्मक भूमिका निभाना, युद्ध और महामारियों में फौलादी जिगर लेकर जान की परवाह किए बिना अंदर तक घुसकर वस्तुस्थिति का पता लगाने के साथ प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से वास्तविकता को सरकार और जनता के सामने उजागर करने का काम पत्रकार आज तक निभाते आ रहे हैं।

कहा(कोविड-19) के इस दौर में पत्रकारों की भूमिका चिर स्मरणीय है, खबरों का संज्ञान लेकर सरकार और शासन उचित कार्यवाही कर रही है।

ऑनलाइन परिचर्चा में भाग लेते हुए मारीशस की डॉक्टर सुरती रघुनंदन ने मारीशस में पत्रकारिता के स्वरूप पर बोलते हुए कहा कि वहां धार्मिक वैमनस्य रहित सभी चौनल सरकारी हैं, और अफवाह फैलाने पर कड़ी से कड़ी सजा का प्रावधान है। राजकीय महाविद्यालय तिरुवंतपुरम केरल की एसोसिएट प्रोफेसर डा. सुभा एस ने कोविड-19 के दौरान केरल सरकार द्वारा इस महामारी से बचने के शुरुआती उपायों को बेहद कारगर बताते हुए कहा कि अन्य राज्यों को भी इस तरह का मॉडल अपना लेना चाहिए।

> 'महामारी में मीडिया की भूमिका' विषय पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी की निदेशक डॉक्टर पुनीत विसरिया और दलित चिंतक और दलित दस्तक नई दिल्ली के संपादक अशोक दास ने इस बात पर चिंता प्रकट की आज बदलते मीडिया के स्वरूप स्वयं को ही नुकसान पहुंचा रहा है। वेबीनार के आयोजक तथा हिंदी विभाग के अध्यक्ष असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर राम भरोसे ने कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों का परिचय कराया और बताया कि इस कार्यक्रम में देशविदेश से 444 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

कार्यक्रम में प्रोफेसर डा. अरुण कुमार सिंह, डॉक्टर विवेकानंद भट्ट, डा. मुकेश सेमवाल, डॉ वंदना सेमवाल, सुरेंद्र बिजलवान व नरेश बिजल्वाण ने हिस्सा लिया संचालन डॉ राम भरोसे ने किया।

होगा। संवाद

'छात्रों का ऑनलाइन शिक्षण चुनौती'

शहीद बेलमती चौहान राजकीय महाविद्यालय पोखरी में वेबिनार

संवाद न्यूज एजेंसी

नई टिहरी। शहीद बेलमती चौहान राजकीय महाविद्यालय पोखरी (क्वीली) के हिंदी विभाग की ओर से रविवार को वेबिनार का आयोजन हुआ। 'ऑनलाइन शिक्षण पद्धति उपलब्धियां, समस्याएं, संभावनाएं' विषय पर अपने विचार रखते हुए वक्ताओं ने कहा कि ऑनलाइन पठन, पाठन बेशक समय की मांग है, लेकिन सबका इससे जुड़ पाना चुनौती भी है।

इससे पूर्व वेबिनार का मुख्य अतिथि पूर्व उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. एनपी माहेश्वरी ने शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन कोर्स परंपरागत कोर्स की अपेक्षा कम खर्चीले, लचीले और अधिक विकल्प की सुविधा से युक्त हैं। लेकिन ऑनलाइन कोर्स डिजाइन करते समय कंटेंट कलेक्शन, कंटेंट मैनेजमेंट, कनेक्टिविटी, को-ऑर्डिनेशन, कैपेसिटी बिल्डिंग पर खास ध्यान देने की जरूरत है।

डॉ. नीलम राठी ने लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन शिक्षा को समय की जरूरत बताया, लेकिन यह भी कहा कि यह परंपरागत शिक्षण का विकल्प नहीं हो सकता।

वेबिनार की संयोजक और महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. सुमिता श्रीवास्तव ने कहा कि सभी छात्रों को ऑनलाइन शिक्षण पद्धति से जोड़ने के लिए संसाधनों की आवश्यकता है। हिंदी विभागाध्यक्ष डा. राम भरोसे ने बताया कि वेबिनार में करीब पांच सौ से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। वेबिनार में डॉ. विनय गुदारी, प्रवीण बौद्ध, डॉ. एके सिंह डॉ. विवेकानंद भट्ट, डॉ. मुकेश सेमवाल, डॉ. वंदना सेमवाल ने अनुभव साझा किए।

आदि शामिल... अमर उजाला 5-12-19 केंद्र सरकार के पर्यावरण मंत्रालय

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

पोखरी महाविद्यालय में आयोजित किया गया प्रथम छात्रसंघ समारोह

अमर उजाला ब्यूरो

नई टिहरी। शहीद बेलमति चौहान राजकीय महाविद्यालय पोखरी (क्वीली) के प्रथम छात्रसंघ समारोह में छात्र-छात्राओं ने शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। पंचायत प्रतिनिधियों से महाविद्यालय के विकास में सहयोग करने की अपील की गई।

बुधवार को छात्रसंघ समारोह का प्राचार्य डा. एके सिंह और कांग्रेस नेता हिमांशु बिजल्वाण, अभिभावक संघ के अध्यक्ष बीर सिंह रावत ने शुभारंभ किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से अतिथियों का स्वागत किया। जीआईसी की छात्राओं ने भोले बाबा नाच गैन, सरस्वती विद्या मंदिर पोखरी के छात्रों ने अभि लगलू मंडाण की बेहतरीन प्रस्तुति दी। छात्रा प्रीति बिजल्वाण ने मांगपत्र प्रस्तुत करते हुए बताया कि

राजकीय महाविद्यालय पोखरी के छात्रसंघ समारोह में प्रस्तुति देतीं छात्राएं।

वर्तमान में महाविद्यालय इंटर कालेज के कक्षों में संचालित हो रहा है। इस मौके पर जीआईसी के प्रधानाचार्य डा. प्रेम सिंह, प्रगतिशील जन विकास संगठन गजा के अध्यक्ष दिनेश उनियाल, छात्र संघ अध्यक्ष दीपक बिजल्वाण, महासचिव प्रेरणा बिजल्वाण, ईश्वरी बिजल्वाण, कुंवर सिंह चौहान, भगवान चौहान, विजय बिजल्वाण, चतर सिंह, अशोक बिजल्वाण, प्रियंका रावत, राजबीर सिंह, तनुजा बिजल्वाण, राजेश रावत, जोत सिंह असवाल, अशोक बिजल्वाण, बजरंग बिजल्वाण, दिनेश बिजल्वाण, रामलाल गैरोला आदि मौजूद थे।

‘ऑनलाइन शिक्षण पद्धति वर्तमान समय की मांग’

ऋषिकेश | हमारे संवाददाता

राजकीय महाविद्यालय पोखरी क्वीली में अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में वक्ताओं ने 21वीं सदी में ऑनलाइन शिक्षण पद्धति को जरूरी बताया।

राजकीय महाविद्यालय पोखरी क्वीली में हिंदी विभाग द्वारा ऑन लाइन शिक्षण पद्धति उपलब्धियां, समस्याएं व संभावनाएं विषय पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व उच्च शिक्षा निदेशक डा. एनपी माहेश्वरी ने कहा कि वर्तमान दौर में ऑनलाइन शिक्षा की प्रबल आवश्यकता है। ऑनलाइन कोर्स परंपरागत कोर्स की अपेक्षा कम खर्चीले, लचीले व अधिक विकल्प आदि की

रविवार को वेबिनार में शिरकत करते बुद्धिजीवी वर्ग के लोग। ● हिन्दुस्तान

सुविधा से युक्त होते हैं। लेकिन ऑनलाइन कोर्स डिजाइन करते समय कंटेंट कलेक्शन, कंटेंट मैनेजमेंट, कनेक्टिविटी, कॉर्डिनेशन, कैपिसिटी बिल्डिंग आदि का ध्यान रखना चाहिए।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. सुमिता श्रीवास्तव ने कहा कि आज के समय में ऑनलाइन शिक्षण पद्धति की मांग है। अभी भी जो छात्र व शिक्षक ऑनलाइन शिक्षण पद्धति से नहीं जुड़ पा रहे हैं, वो व्यवस्था के लिए चुनौती हैं। सीएल पीजी कॉलेज लंढौरा, रुड़की के प्राचार्य डा. सुशील उपाध्याय ने कहा कि आने वाला समय क्लासरूम टीचिंग, ऑनलाइन टीचिंग व डिस्टेंस लर्निंग तीनों माध्यम का समावेश होगा। भेल हरिद्वार के उप अभियंता प्रवीण बौद्ध ने कहा कि वर्तमान में छात्रों को पढाने के लिए 21वीं सदी के संसाधन ही होने चाहिए। शिक्षकों द्वारा छात्रों को मैत्रीपूर्वक, दार्शनिक व मनोवैज्ञानिक तरीके से पढ़ाना चाहिए।

वेबिनार में अदिति महाविद्यालय दिल्ली विवि की एसोसिएट प्रोफेसर डा. नीलम राठी, महात्मा गांधी संस्था मॉरीशस के एसोसिएट प्रोफेसर डा. विनय गुदारी, डा. अरुण कुमार थे।

11:20 AM

aper.livehindustan.com

epaper
हिन्दुस्तान

स्थानीय साहित्य एवं संस्कृति के वैश्विक प्रचार पर की चर्चा

चंबा | हमारे संवाददाता

बेलमती चौहान राजकीय महाविद्यालय पोखरी में हिंदी विभाग की ओर से साहित्यनुवाद अवसर एवं चुनौतियों विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में स्थानीय साहित्य एवं संस्कृति के वैश्विक प्रचार में अनुवाद की भूमिका पर चर्चा की गयी।

शुक्रवार को बेलमती चौहान राजकीय महाविद्यालय पोखरी में आयोजित वेबीनार के मुख्य अतिथि भारतीय अनुवाद परिषद दिल्ली के निदेशक प्रो. पूरन चंद टन्डन ने कहा की अनुवाद पढ़ना, पढ़ाना, अनुवाद करना एवं अनुवाद में शोध करना ये अलग अलग विधाए हैं। प्रत्येक विधा के लिए उस क्षेत्र का ज्ञान होना आवश्यक है। कहा कि अनुवादक मूल साहित्य से भी आगे तक समालोचना के माध्यम से पहुंच सकता है। अनुवादक को किसी साहित्य का अनुवाद करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह महज केवल शाब्दिक अनुवाद न होकर मूल साहित्य के असली मर्म को प्रस्तुत कर सके। अतः अनुवादक में विषय, भाषा व संस्कृतीक समझ होनी चाहिए। भारतीय उच्च अध्ययन संस्था शिमला के पूर्व अध्येत्ता डॉ. रामशंकर सिंह ने कहा की अनुवाद करते समय अनुवादक को मूल साहित्य के ऐतिहासिक, सामाजिक एवं राजनैतिक पृष्टभूमि की समझ होनी चाहिए। वेबीनार में रेडियो अनुवाद पर भी चर्चा की गई। प्राचार्य प्रो. सुमिता श्रीवास्तव, डॉ. राम भरोसे, प्रफुल्ल कुमार सिन्हा, नेहा कुमारी, तेजस पूनिया, मेघना राय आदि ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

शिक्षा के मंथन पर वेबिनार आयोजित

भास्कर समाचार सेवा

नरेंद्रनगर। पट्टी क्वीली एवं पालकोट के केंद्रीय स्थल पोखरी के शहीद बेलमती चौहान महाविद्यालय की ओर से एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया। हिंदी जगत में ‘लोक साहित्य के महत्व की प्रासंगिकता’ विषय पर आयोजित इस बेविनार में देश के कई भागों से जुड़े महाविद्यालयों के लोक साहित्य के विशेषज्ञ मनीषियों ने सम्यक चर्चा उपरांत सामने आये ठोस निष्कर्षों पर शोध के उद्देश्य से पुस्तक प्रकाशित करने पर विशेष बल दिया। भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला की डॉ ज्योति सिन्हा में भोजपुरी लोक साहित्य में स्त्री प्रतिरोध व लोक चेतना की अवस्थाओं के मार्मिक प्रसंगों को उद्धृत किया। कार्यक्रम की

● मनीषियों के निष्कर्षों पर दस्तावेजी पुस्तक प्रकाशित करने पर बल

संयोजक व महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ सुमिता श्रीवास्तव ने इस कोरोना काल में बरसों बाद अपने घरों अर्थात जड़ों की ओर लौट रहे लोगों को उनकी अपनी माटी की लोक संस्कृति, लोक साहित्य से रू-ब-रू होने का अनोखा अवसर बताया। महाविद्यालय नई टिहरी के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. संजीव नेगी ने कहा कि विभिन्न लोक संस्कृतियां ही राष्ट्रीय संस्कृति को मजबूत बनाती हैं, साहित्य अध्ययन के क्षेत्र में पारिभाषिक शब्दावली की एक रूपता पर जोर दिया। कार्यक्रम की विशिष्ट वक्ता व राजकोट-गुजरात वाणिज्य महाविद्यालय के डॉ. भीम खांचरिया ने भारतीय लोक साहित्य के विभिन्न आयामों का विश्लेषण करते हुए तात्विक व सांस्कृतिक एकता के महत्व पर प्रकाश डाला। स्वतंत्र पत्रकार महिपाल सिंह नेगी ने लोक साहित्य के महत्व और उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए गढ़वाली लोकगीत, लोक संस्कृति व स्त्री प्रतिरोध तथा पीड़ा को मार्मिक शब्दों में उद्धृत कर लोक साहित्य को दस्तावेज के रूप में संकलित करने पर बल दिया। बेविनार में लगभग 150 विद्वान मनीषियों ने हिस्सा लिया। बेविनार में डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. पूनम धस्माना, डॉ. मुकेश सेमवाल, डॉ वंदना, नेहा, तेजस पूनिया तथा नरेंद्र बिजल्वाण आदि ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर रामभरोसे ने किया।